

## **PRESS RELEASE OF MAHENDRAGIRI LAUNCH**

**01.09.2023**

MDL marks its 250 glorious years of existence with excellence and expertise with the launch of the fourth Stealth Frigate of Project 17A 'MAHENDRAGIRI' today i.e. 01 Sept 2023. With the launch of this mighty frigate, MDL continues its triumphant march towards self-reliance turning Aatmanirbhar Bharat into a reality.

The ship was named by Dr (Mrs) Sudesh Dhankhar, wife of Hon'ble Vice President Shri Jagdeep Dhankhar who was the chief guest on the occasion. The ceremony was attended by the Hon'ble Governor of Maharashtra, Chief Minister of Maharashtra, Deputy Chief Ministers of Maharashtra, Chief of Naval Staff and Chairman and Managing Director, MDL along with other senior officials from the Ministry of Defence, Indian Navy and employees of MDL.

This ship has been built using Integrated Construction methodology which involves hull blocks with parallel outfitting. The construction has been carried out at different geographical locations and integration/erection on Slipway at MDL. The keel of Mahendragiri was laid on 28 June 2022 and the ship is expected to be delivered by February 2026. The vessel is being launched with an approximate launch weight of 3450 Tons.

Project-17A contributes to the prosperity of the Nation by developing the local ecosystem and supporting workforce/entrepreneurs/MSMEs across the economic spectrum. Approximately 210 MSMEs are engaged in this project and approximately 1000 subcontract workforce is working inside MDL premises for this project. Approximately 13 PSUs are contributing to this project in terms of supply of complex equipment and systems. Over 75% of the orders of Project 17A, have been placed on indigenous firms including MSMEs, keeping in line with Government's vision of "*Aatma Nirbhar Bharat*".

The ship is designed by the Indian Navy's in-house design organization viz. Warship Design Bureau. MDL has undertaken the detailed design & construction of the ship which is also overseen by Warship Overseeing Team (Mumbai). The first ship of the Project 17A, 'Nilgiri' was launched on 28<sup>th</sup> Sept 2019 and is being readied for sea trials in the first half of 2024. The total value of the Project 17A is around Rs. 25,700 Crores. The second ship of P17A class 'Udaygiri' was launched on 17 May 2022 and is expected to start sea trials during the second half of 2024. The third ship of P17A class 'Taragiri' was launched on 11 September 2022.

The 149.02 M long & 17.8 M wide ship, propelled by a CODOG combination of two Gas Turbines and 02 Main Diesel Engines which are designed to achieve a speed of over 28 knots at a displacement of approx. 6670 Tons. The steel used in Hull construction of P17A Frigates is indigenously developed DMR 249A which is a low carbon micro alloy grade steel manufactured by SAIL. The indigenously designed 'Mahendragiri' will have state-of-the-art weapons, sensors, an advanced action information system, an Integrated Platform Management System, world class modular living spaces, sophisticated power distribution system and a host of other advanced features. It will be fitted with supersonic surface-to-surface missile system. The ship's air defence capability, designed to counter the threat of enemy aircraft and anti-ship cruise missiles will revolve around the vertical launch and long range surface to air missile system. Two-30 mm rapid-fire guns will provide the ship with close-in-defence capability while an SRGM Gun will enable her to provide effective naval gunfire support. Indigenously developed triple tube light weight torpedo launchers and rocket launchers will add punch to the ship's anti-submarine capability.

The launch of Mahendragiri is an exemplary testimony of our nation's Warship building capability and vindicates the fact that MDL has a very rich heritage and legacy in boosting Nation's blue water prowess.

---

### **प्रेस विज्ञप्ति महेंद्रगिरी**

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने आज 01 सितंबर 2023 को परियोजना 17ए के चौथे स्टील्थ फ्रिगेट 'महेंद्रगिरी' के जलावतरण के साथ उत्कृष्टता और विशेषज्ञता सहित अपने अस्तित्व के 250 गौरवशाली वर्षों को चिह्नित किया है। इस शक्तिशाली फ्रिगेट के जलावतरण के साथ, एमडीएल ने आत्मनिर्भर भारत को वास्तविकता में बदलने की दिशा में चल रहे प्रयासों को जारी रखा है।

जहाज का नाम माननीय उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ. (श्रीमती) सुदेश धनखड़ ने रखा। इस अवसर पर माननीय उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ मुख्य अतिथि थे। इस समारोह में महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र के दोनों उप मुख्यमंत्री, नौसेना प्रमुख और एमडीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक समेत रक्षा मंत्रालय और भारतीय नौसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा एमडीएल कर्मचारी उपस्थित थे।

इस जहाज को एकीकृत निर्माण पद्धति के द्वारा बनाया जा रहा है। इसमें विभिन्न भौगोलिक स्थानों में हल ब्लॉकों के निर्माण के पश्चात एमडीएल के स्लिपवे पर एकीकरण किया गया है। महेंद्रगिरी की आधारशिला 28 जून

2022 को रखी गई थी और जहाज की सुपुर्दगी फरवरी 2026 तक होने की उम्मीद है। जहाज को 3450 टन के अनुमानित वजन के साथ जलावतरित किया गया।

पी17ए स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र में विकास करके राष्ट्र की समृद्धि में योगदान देता है और सम्पूर्ण आर्थिक स्पेक्ट्रम में कार्यबल/ उद्यमियों/ एमएसएमई का समर्थन करता है। लगभग 210 एमएसएमई इस परियोजना में लगे हुए हैं। इस परियोजना के लिए 1000 उपठेकेदार कार्यबल एमडीएल परिसर के अंदर काम कर रहे हैं। इस परियोजना में जटिल उपकरण और प्रणालियों की आपूर्ति के मामले में लगभग 13 सार्वजनिक उपक्रम योगदान दे रहे हैं। सरकार के " *आत्मनिर्भर भारत* " के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए परियोजना 17ए के 75% से अधिक ऑर्डर एमएसएमई सहित स्वदेशी फर्मों को दिए गए हैं।

जहाज को भारतीय नौसेना के इन-हाउस डिज़ाइन संगठन यथा नौसेना डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिज़ाइन किया गया है। एमडीएल ने जहाज के विस्तृत डिजाइन और निर्माण का कार्य किया है, जिसकी देखरेख युद्धपोत निरीक्षण टीम (मुंबई) भी करती है। परियोजना 17ए का पहला पोत, 'नीलगिरि' 28 सितंबर 2019 को जलावतरित किया गया था और इसे 2024 की पहली छमाही में समुद्री परीक्षण के लिए तैयार किया जा रहा है। परियोजना 17ए का कुल मूल्य लगभग रु. 25,700 करोड़ है। पी17ए श्रेणी का दूसरा जहाज 'उदयगिरि' 17 मई 2022 को जलावतरित किया गया था और 2024 की दूसरी छमाही के दौरान इसका समुद्री परीक्षण शुरू होने की उम्मीद है। पी17ए श्रेणी का तीसरा जहाज 'तारागिरी' 11 सितंबर 2022 को जलावतरित किया गया था।

149.02 मीटर लंबा और 17.8 मीटर चौड़ा जहाज, दो गैस टर्बाइन और 02 मुख्य डीजल इंजनों के सीओडीओजी संयोजन द्वारा संचालित होता है, जिन्हें लगभग 6670 टन विस्थापन पर 28 समुद्री मील से अधिक गति प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पी17ए फ्रिगेट्स के हल निर्माण में उपयोग किया जाने वाला स्टील स्वदेशी रूप से विकसित डीएमआर 249ए है जो सेल द्वारा निर्मित एक लो कार्बन माइक्रो मिश्र धातु ग्रेड स्टील है। स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए 'महेंद्रगिरी' में अत्याधुनिक हथियार, सेंसर, एक उन्नत कार्रवाई सूचना प्रणाली, एक एकीकृत मंच प्रबंधन प्रणाली, विश्व स्तरीय मॉड्यूलर रहने की जगह, परिष्कृत बिजली वितरण प्रणाली और कई अन्य उन्नत सुविधाएं होंगी। इसमें सर्फ़ेस टू सर्फ़ेस पर हमला करने वाली सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली लगी होगी। जहाज की वायु रक्षा क्षमता, दुश्मन के विमानों और एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों के खतरे का मुकाबला करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो वेर्टिकल प्रक्षेपण और लंबी दूरी की सर्फ़ेस टू एयर में हमला करने वाली मिसाइल प्रणाली के इर्द-गिर्द घूमेगी। दो 30 मिमी रैपिड-फायर गन जहाज को निकट-रक्षा क्षमता प्रदान करेंगी जबकि एक एसआरजीएम गन उसे प्रभावी नौसैनिक गोलाबारी सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाएगी। स्वदेशी रूप से

विकसित ट्रिपल ट्यूब लाइट वेट टारपीडो लॉन्चर और रॉकेट लॉन्चर जहाज की पनडुब्बी रोधी क्षमता में वृद्धि करेंगे।

महेंद्रगिरी का जलावतरण हमारे देश की युद्धपोत निर्माण क्षमता का एक अनुकरणीय प्रमाण है। यह इस तथ्य की पुष्टि करता है कि एमडीएल के पास राष्ट्र की समुद्री शक्ति को बढ़ाने की समृद्ध विरासत और परंपरा है।



